२.५.५

२.५.५

अखिलभारतीय-विद्वत्परिषद्

युवप्रतिभासम्मानपत्रम्

संवत्सरः २०७३

श्री/श्रीमती/सुश्री रविशंकर पाण्डेय ने

अपनी प्रतिभा और परिश्रम से

विद्या के संस्कृत व्याकरण क्षेत्र में

उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आपकी उपलब्धियों का आकलन करके

अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् आपको

युवप्रतिभासम्मान

से सम्मानित करती है।

सचिवः

अध्यक्षः

तिथिः २३ अक्टूबर २०१६

स्थानम् - वाराणसी

युगाब्दः ५११८

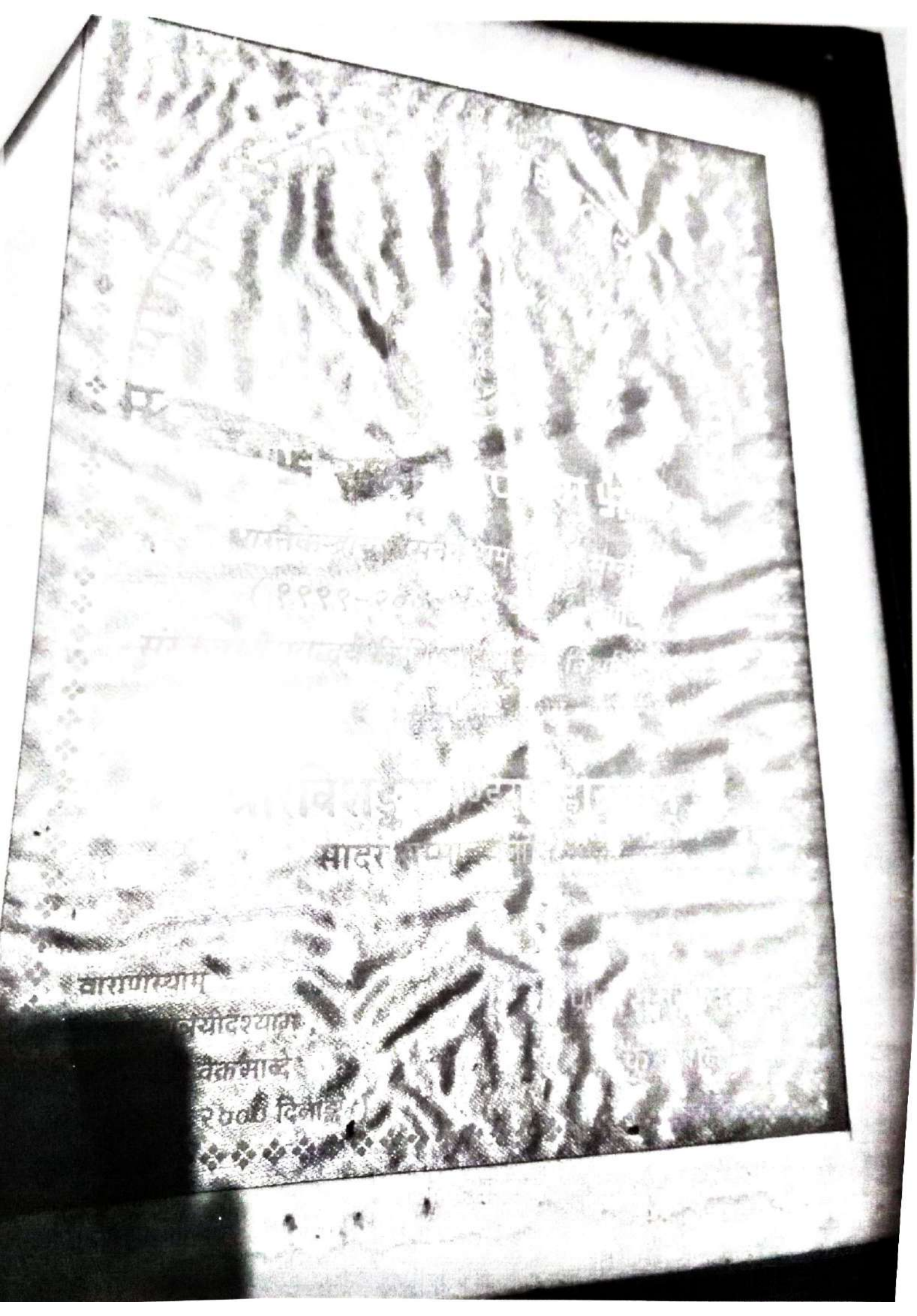

अखिलभारतीय-विद्वत्परिषद्

विश्वनाथकविराजपुरस्कारः

संवत्सरः २०७४

अत्रभवान् विजय कुमार पाण्डेय महोदयः
संस्कृतसाहित्यक्षेत्रे महनीयं विद्वत्कार्यं
सम्पाद्य विश्वराष्ट्रभालं भव्यं श्रीभारतवर्षं
समुज्ज्वलं व्यधात्।
अत इयम् अखिलभारतीयविद्वत्परिषद्
चन्द्रकला नाटिका
इति तत्सारस्वतनिर्मितिं
विमृश्य पञ्चसहस्त्ररुप्यात्मकेन
विश्वनाथकविराजपुरस्कारेण
विद्वांसमेनं सम्मानयति।

सचिवः — कमलेश्वर उपाध्यायः

अध्यक्षः — जयशंकरलाल त्रिपाठी

स्थानम् - वाराणसी
युगाब्दः ५११९

तिथिः ११ नवम्बर, २०१७

25 मार्च, 2018
फरीदाबाद, हरियाणा

डा. दिनेश कुमार गर्ग जी
प्रवक्ता, काशी विद्वत परिषद

चाणक्यशास्त्रभूषण

भाषा विज्ञान के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान प्रदान करने के लिए भगवान श्री लक्ष्मी नारायण धाम के करोड़ों श्रद्धालुओं की ओर से हम आपको चाणक्यशास्त्रभूषण पद से विभूषित कर गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

भगवान श्री लक्ष्मी नारायण धाम

विद्वत्सम्मानपत्रम्

अयि सुरभारतीसमुपासकाः प्रतिवर्षमिवैषमेऽपि वर्षे गुरुपूर्णिमामहोत्सवे
तत्र भवतां श्रीमतां **डा.दिनेशगर्गमहोदयानां**
विद्वत्सम्मानं विधाय संस्थेयं गौरवमनुभवति।

स्वामीनारायणानन्दतीर्थ

(काशीधर्मपीठाधीश्वरजगद्गुरुशङ्कराचार्यस्वामिश्रीनारायणानन्दतीर्थमहाशयाः)

अध्यक्षः

श्रीकाशीधर्मपीठजनकल्याणसमितिः

संवत्-२०७५, तिथिः - गुरुपूर्णिमा, (२७-७-[illegible]८) दिनम्

स्थानम् - नारायण आश्रम बम्होड़ी (पिठेरा) लखना[illegible], जनपद- [illegible]

॥ ॐ स्वामिनारायणाय नमः ॥

॥ ॐ अक्षरपुरुषोत्तमाय नमः ॥

अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनपीठस्थापनमहोत्सवः

॥ काशीविद्वद्भूषणम् ॥

नवनवोन्मेषशालिनीं प्रतिभाम् अलङ्कुर्वाणाः

वैदिकसनातनशास्त्रसिद्धान्तपरम्परापालनैकप्रवणाः विविधशास्त्रपाण्डित्यसुमनसः

सकलविश्वप्रथितकाशीविश्वनाथकृपापरिप्लावितात्मानः

श्रीमन्तः 'पं. दिनेशकुमार गर्ग' महोदयाः

स्वकीयविद्यावैभवेन भारतीयसंस्कृतिं गौरवान्वितां समुज्ज्वलां च व्यदधुः।

अतोऽद्यविद्वन्नगर्यां श्रीकाश्यां विविधविद्यापारंगतानां विदुषां महनीयसन्निधौ

परब्रह्मस्वामिनारायणप्रबोधिताऽक्षरपुरुषोत्तमदर्शनपीठस्थापनमहोत्सवपर्वणि

ब्रह्मस्वरूपश्रीप्रमुखस्वामिमहाराजानां प्रेरणया एवं

प्रकटब्रह्मस्वरूपश्रीमहन्तस्वामिमहाराजानाम् आशीर्वादैश्च

बी.ए.पी.एस.स्वामिनारायणसंस्थापक्षतः एते विद्वद्वर्याः

काशीविद्वद्भूषणम्

इति विशिष्टाऽलङ्करणेन विभूष्यन्ते।

आयोजकः – बी.ए.पी.एस.स्वामिनारायणशोधसंस्थानम्

अक्षरधाम – नवदेहली

२८ जून २०१९

श्रीकाशीनगरी

अखिलभारतीयसंस्कृतसाहित्यसम्मेलनम्,

नवदेहली

अभिनन्दनम्

०१.०३.२०२० तमे दिनाङ्के
समायोजिते समारोहे

नवोदितप्रतिभासमेतान्
डॉ. दिनेशकुमारगर्गमहोदयान्
संस्कृतक्षेत्रे तद्विशिष्टयोगदानमभिलक्ष्य
'संस्कृतभूषणम्' इतिसम्मानेन सभाजयति
अखिलभारतीयसंस्कृतसाहित्यसम्मेलनम्।

रमेशकुमारपाण्डेयः
अध्यक्षः

रमाकान्तगोस्वामी
महासचिवः

ओ. पी. सर्राफः
कार्यवाहकाध्यक्षः

ओ.पी. जिन्दलः
कोषाध्यक्षः

आर. एन. वत्सः
संयुक्त महासचिवः

संस्कृतभवनम्, अरुणा-आसफ-अलीमार्गः
नवदेहली-११००६७

॥ श्री ॥

[illegible]

सुवर्णपुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः ।
शूरश्च कृतविद्यश्च यश्च जानाति सेवितुम् ॥१॥

[illegible]

सरस्वती श्रुतिमहती न हीयताम् ।

श्रीकाशीपण्डितसभा-विद्वत्सम्मानपत्रम्

श्रीमतां धर्मदर्शनाचार्याणां डॉ. हरिप्रसाद-अधिकारि महानुभावानां [illegible] आचार्याणां प्रातःस्मरणीयानां पं. रमापतित्रिपाठिमहाशयानां [illegible] [illegible] अंग्रेजी-नेपाली-आङ्ग्लादि प्रभृतिभाषा [illegible] मण्डलान्तर्गत [illegible] ग्राम वास्तव्यानां सनातन धर्ममर्यादा[illegible] [illegible] चिन्तनस्फुलिङ्गा-मधुरसंस्कृत-सरलसंस्कृतादि रचयिता [illegible] [illegible] सत्त्यातिमनुसन्दधानेयं श्रीकाशीपण्डितसभा "गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः" इति भवभूतिमहाकवेर्वचनं स्मारं स्मारं सदाचारविभूषितेभ्यो गुणवद्भ्य एभ्यः "महामहोपाध्याय" इति पदवीं सम्मानं वितरतीति समामनतः—

[illegible]

[illegible]—
[illegible], ४४, [illegible]
वाराणसी

[illegible] [illegible] प्रतिपद् [illegible]
[illegible] [illegible] २०६८.

सभापतिः
[illegible]
मन्त्री च

National Education Policy-2020

Syllabus Restructuring for all Universities and Colleges of U.P.

Certificate of Appreciation

I place on record my appreciation for Prof. Ramesh Prasad HoD & Dean of Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi for his contribution torestructuring the UG curricula of Language subjects (8) as required by the National Education Policy-2020.

As a member of the Supervisory committee, he guided the faculty of all related subjects and the teams accomplished the assigned task in record time, under the overall guidance of the Steering Committee.

I wish him well always.

6/8/21

Monika S. Garg
I.A.S.
Additional Chief Secretary
Department of Higher Education
Government of Uttar Pradesh

National Education Policy-2020

Syllabus Restructuring for all Universities and Colleges of U.P.

Certificate of Appreciation

I place on record my appreciation for Prof. Ramesh Prasad, Professor, HoD & Dean, Pali of Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi on his contribution to restructuring the UG syllabus of Pali to align it with the provisions of National Education Policy-2020.

As a member of the Subject Group, he completed the task in a record time under the guidance of the Steering Committee.

I wish him well always.

6/8/21

Monika S. Garg
I.A.S.
Additional Chief Secretary
Department of Higher Education
Government of Uttar Pradesh

Sr. No.-NEP-2020/Syllabus/161

National Education Policy-2020

Syllabus Restructuring for all Universities and Colleges of U.P.

Certificate of Appreciation

I place on record my appreciation for **Prof. Ramesh Prasad**, Professor, HoD & Dean, Pali of Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi on his contribution to restructuring the UG syllabus of Pali to align it with the provisions of National Education Policy-2020.

As a member of the Subject Group, he completed the task in a record time under the guidance of the Steering Committee.

I wish him well always.

6/8/21

Monika S. Garg
I.A.S.
Additional Chief Secretary
Department of Higher Education
Government of Uttar Pradesh

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

वाराणसी

प्रशस्ति-पत्र

प्रो. रमेश प्रसाद

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पालि भाषा एवं वाङ्मय के उन्नयन में आपकी महनीय भूमिका को अभिलक्षित कर आपको यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान करते हुये विश्वविद्यालय परिवार गौरव का अनुभव कर रहा है।

राजाराम शुक्ल

प्रो. राजाराम शुक्ल
कुलपति

दिनाङ्क : २६ जनवरी, २०२१

Ramesh Prasad

23 Dec 2019 ·

केरल के राज्यपाल महामहिम आरिफ मोहम्मद खान द्वारा विद्वत् भूषण सम्मान से सम्मानित होते हुए ।

सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शिक्षकदिवससमारोहः - २०२१

दिनांकः - ५ सितम्बर, २०२१

सम्मानपत्रम्

डॉ./श्री/सुश्री प्रोः हरि प्रसाद अधिकारी

विश्वविद्यालयस्य/महाविद्यालयस्य तुलनात्मकधर्मदर्शन विभाग, सं॰ सं॰ वि॰ वि॰, वाराणसी

२०२१ खिष्टाब्दस्य शिक्षकदिवससमारोहे उच्चशिक्षायां विशेषतया राष्ट्रियशिक्षानीतेः-२०२० इत्यस्य च क्रियान्वयने उत्कृष्टयोगदानप्रदानाय सम्मानीक्रियते।

हरेराम त्रिपाठी

कुलपतिः

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,

वाराणसी।

दिनांक : ५ सितम्बर, २०२१

वैक्रमाब्द २०७८, भाद्रपदकृष्णचतुर्दशी

संवत्सरः

रोटरी क्लब बनारस

मंडल 3120

संस्थापक सदस्य

प्रतिभा सम्मान पत्र-संस्कृत

शनिवार, 09 अक्टूबर - 2021

मुख्य अतिथि

प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी

विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

स्थान : होटल प्रेस्टिन, द माल कैन्टोमेन्ट, वाराणसी

आप विद्यार्थियों के प्रगति व उज्जवल भविष्य हेतु कठोर परिश्रम कर रहे है एवं समाज की उन्नति के लिए अभूतपूर्व शैक्षणिक योगदान दे रहे है। प्रतिभा सम्मान समारोह, संस्कृत के अवसर पर रोटरी क्लब बनारस, मंडल 3120 की तरफ से आपको यह सम्मान पत्र देकर अपना आदर व्यक्त करना चाहते है।
हमारी तरफ से आपकों दीर्घायू एवं महान कार्य हेतु दिल से हार्दिक शुभेच्छा!

अध्यक्ष
रो. के. के. गुप्ता

सचिव
रो. मुकेश चन्द्र पाठक

योग,तन्त्र एवं भारतीय संस्कृति का प्रशिक्षण प्रदान करने वाली अन्तरराष्ट्रीय संस्था

वाग्योग-चेतनापीठम्

बी. ३/१३१-ए, शिवाला वाराणसी-२२१००१

वाग्योग-निर्मानिक संस्कृत और वाग्योग कुण्डलिनी जागरण पद्धति के आविष्कर्ता

महामहोपाध्याय भागीरथप्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'

के

सत्तासी वर्ष प्रयुक्त जन्मोत्सव

पर

प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी, वाराणसी

को

'संस्कृत, दर्शन एवं शिक्षा' के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु

'वाग्योग-राष्ट्रगौरव-सम्मान २०१८'

प्रदान किया जाता है।

अध्यक्ष
पद्मश्री से सम्मानित
प्रो०भागीरथप्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'

आषाढ शुक्ल त्रयोदशी, वि० २०७७
(०३ जुलाई २०२०)

सचिव
श्री आशापति शास्त्री
9935463678

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

वाराणसी

प्रशस्ति-पत्र

प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत भाषा एवं वाङ्मय के उन्नयन में आपकी महनीय भूमिका को अभिलक्षित कर आपको यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान करते हुये विश्वविद्यालय परिवार गौरव का अनुभव कर रहा है।

राजाराम शुक्ल

प्रो. राजाराम शुक्ल
कुलपति

दिनाङ्क : २६.०१.२०१९

॥ [illegible] ॥

पद्मश्री डॉ.कपिल देव द्विवेदी जयन्ती समारोह

आयोजक : चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम्, वाराणसी एवं

विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्
ज्ञानपुर, भदोही

पद्मश्री डॉ.कपिल देव द्विवेदी स्मृति

विश्वभारती–सम्मान 2021

प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी

को संस्कृत शिक्षा, साहित्य रचना आदि क्षेत्रों में

उत्कृष्ट योगदान के लिए

स्व. पद्मश्री डा. कपिलदेव द्विवेदी स्मृति

विश्वभारती सम्मान

प्रदान किया जाता है।

दिनांक
06 दिसम्बर 2021

डॉ. भारतेन्दु द्विवेदी
अध्यक्ष

प्रो. विद्याशङ्कर त्रिपाठी
संयोजक

॥ श्रीजगद्गुरुविश्वाराध्यो विजयतेतराम् ॥

श्रीमज्जगद्गुरुविश्वाराध्यज्ञानसिंहासनमहापीठम्

जङ्गमवाडीमठसंस्थानम्, वाराणसी.

श्रीकोडीमठसंस्कृतसाहित्यपुरस्कारः

श्रीमतः संस्कृतसंस्कृतिसेवासमर्पितजीवनान् 'गाण्डीवम्',
'सुसंस्कृतम्' इत्यादिपत्रपत्रिकासमुद्धारकान्-अनेका-
नेकसंस्थाधिकारिपदवीकान् अहर्निशसर्ववर्गेभ्यः
संस्कृतभाषाध्यापनपरायणान् विविधविधग्रन्थ-
लेखनविचक्षणान् अन्ताराष्ट्रियलब्धयशसः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयीयतुल-
नात्मकधर्मदर्शनविभागाचार्यान्

प्रो० हरिप्रसादअधिकारि-

पण्डितान्

एकादशसहस्ररुप्यकात्मकेन

श्रीकोडीमठसंस्कृतसाहित्यपुरस्कारेण

सम्मानं सभाजयति-

जङ्गमवाडीमठ, वाराणसी।
फाल्गुन-कृष्ण-त्रयोदशी; सं. २०७०
(बुधवासरः- २६ फरवरी २०१४)

पीठाधीश्वरः
श्रीजगद्गुरुचन्द्रशेखरशिवाचार्यमहास्वामी
श्रीमज्जगद्गुरुविश्वाराध्यज्ञानसिंहासनमहापीठम्

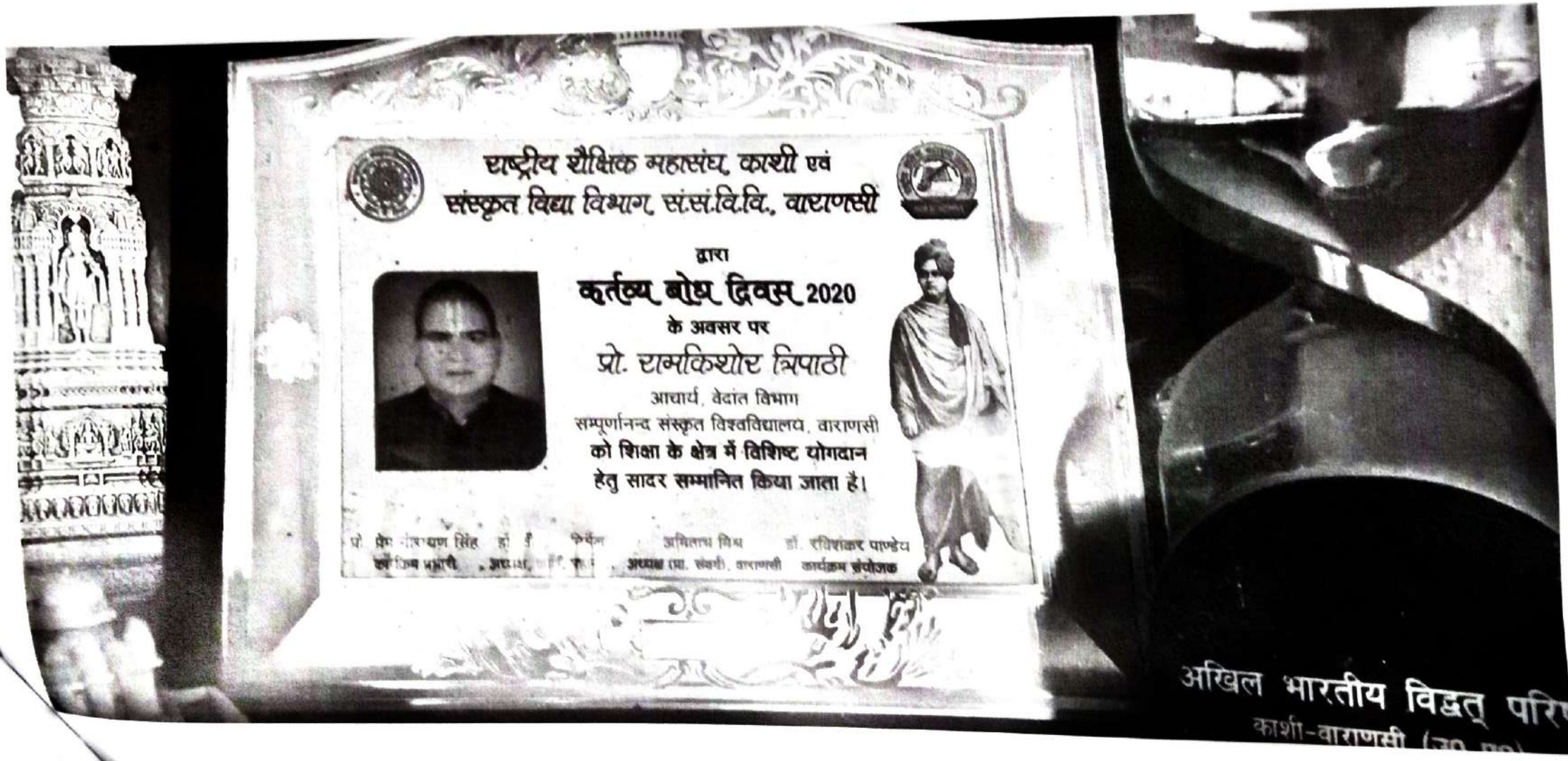

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, काशी एवं
संस्कृत विद्या विभाग, सं.सं.वि.वि., वाराणसी
द्वारा
कर्तव्य बोध दिवस 2020
के अवसर पर
प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी
आचार्य, वेदांत विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
को शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान
हेतु सादर सम्मानित किया जाता है।
अमिताभ मिश्र
अध्यक्ष (रा. सं.), वाराणसी
डॉ. रविशंकर पाण्डेय
कार्यक्रम संयोजक
अखिल भारतीय विद्वत् परि
काशी-वाराणसी

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

वाराणसी

प्रशस्ति-पत्र

प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत भाषा एवं वाङ्मय के उन्नयन में आपकी महनीय भूमिका को अभिलक्षित कर आपको यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान करते हुये विश्वविद्यालय परिवार गौरव का अनुभव कर रहा है।

दिनाङ्क : १५ अगस्त, २०२०

प्रो. राजाराम शुक्ल
कुलपति

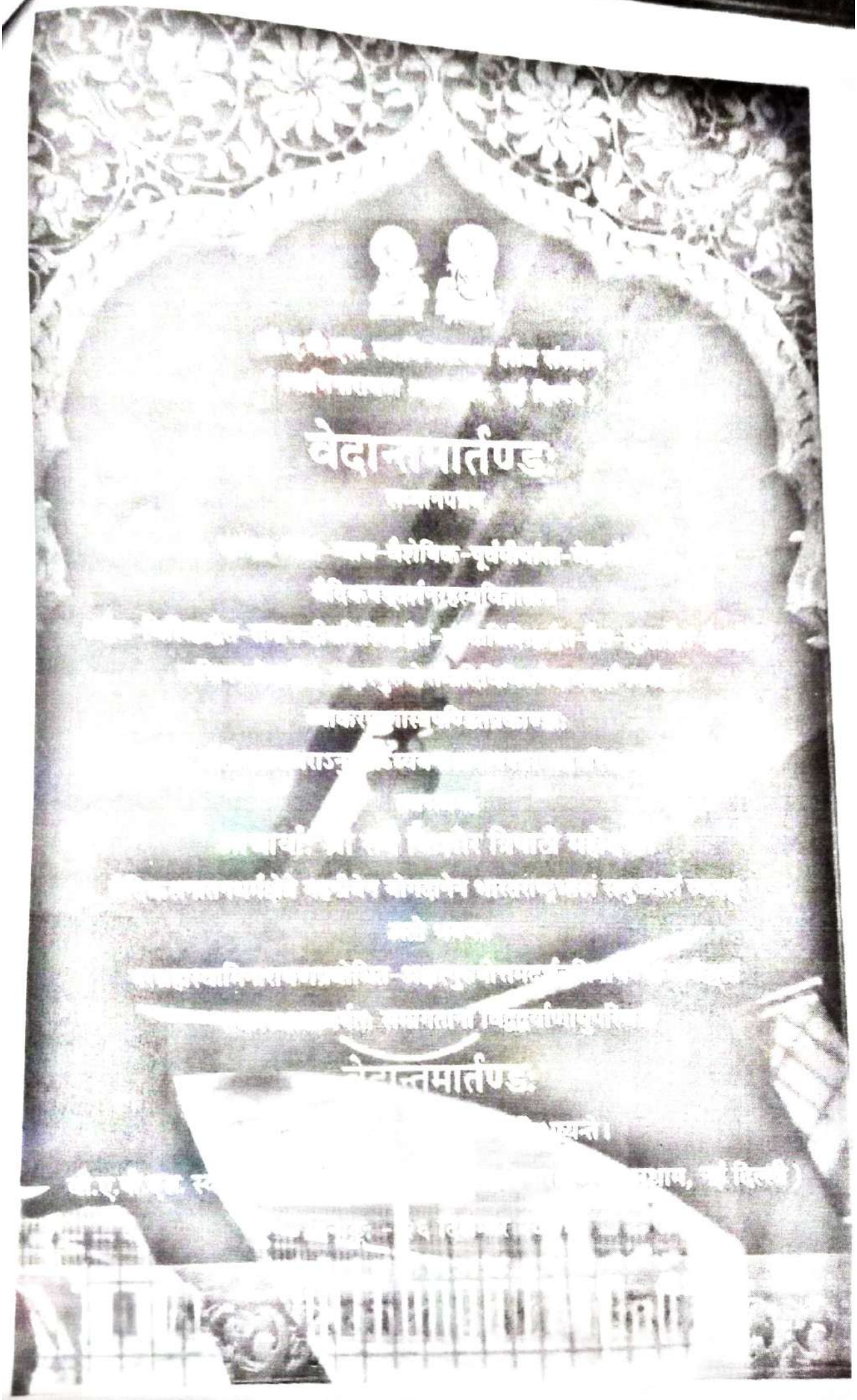

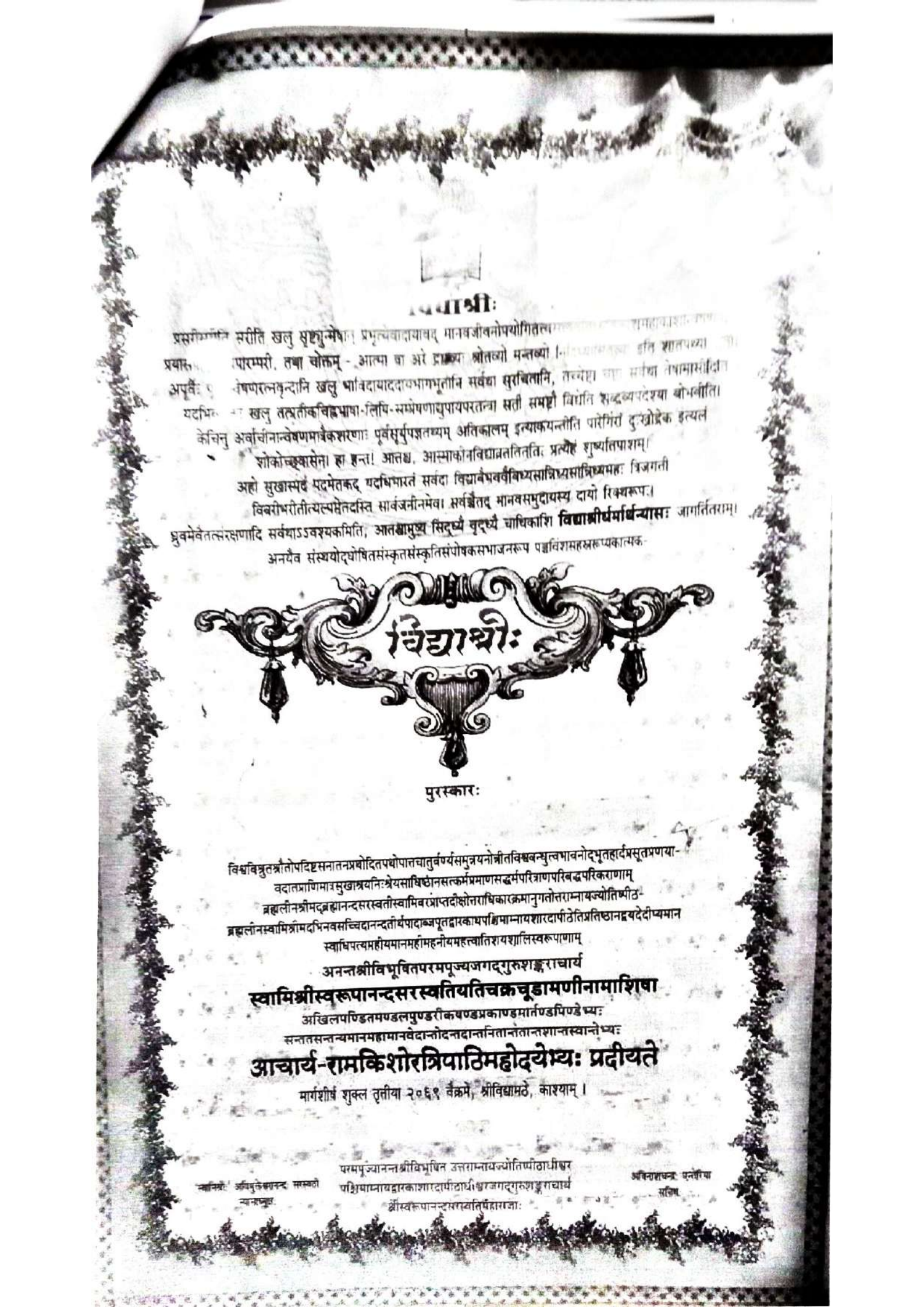

[illegible]याश्रीः

प्रसरि[illegible] सरीति खलु सृष्ट्युन्मेषात् प्रभृत्येवादायावद् मानवजीवनोपयोगितत्त्व[illegible]
प्रयास[illegible] [illegible]पारम्परी, तथा चोक्तम् - आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो [illegible] इति शातपथ्या [illegible]
अपूर्वैः [illegible] [illegible]षणरत्नवृन्दानि खलु भावदायाददायभागभूतानि सर्वथा सुरक्षितानि, तत्त्वेह [illegible] सर्वथा तेषामासादि[illegible]
यदभि[illegible] खलु तत्प्रतीकविह्वभाषा-लिपि-सम्प्रेषणाद्युपायपरतन्त्रा सती समष्टौ विधाति शब्दव्यपदेश्या बोभवीति।
केचिनु अर्वाचीनान्वेषणमात्रैकशरणाः पूर्वसूर्युपज्ञतथ्यम् अतिकालम् इत्याकयन्तीति पारेगिरं दुःखोद्रेक इत्यलं
शोकोच्छ्वासेन। हा हन्त! आतश्च, आस्माकीनविद्याव्रततितति: प्रत्यहं शुष्यतिपाशम्।
अहो सुखास्पदं पदमेतकद् यदधिभारतं सर्वदा विद्यावैभववैविध्यसान्निध्यसान्निध्यमहः त्रिजगती
विबरीभरीतीत्यस्पष्टमेतदस्ति सार्वजनीनमेव। सर्वस्वैतद् मानवसमुदायस्य दायो रिक्थरूपः।
ध्रुवमेवैतत्संरक्षणादि सर्वथाऽऽवश्यकमिति, आतश्चामुष्य सिद्ध्यै वृद्ध्यै चाधिकाशि **विद्याश्रीधर्मार्थन्यासः** जागर्तितराम्।
अनयैव संस्थयोद्घोषितसंस्कृतसंस्कृतिसंपोषकसभाजनरूप पञ्चविंशसहस्ररूप्यकात्मक-

विद्याश्रीः

पुरस्कारः

विश्वविश्रुतश्रौतोपदिष्टसनातनप्रबोदितपथोपात्तचातुर्वर्ण्यसमुन्नयनोन्नीतविश्वबन्धुत्वभावनोद्भूतहार्दप्रसूतप्रणया-
वदातप्राणिमात्रसुखाश्रयनिःश्रेयसाधिष्ठानसत्कर्मप्रमाणसद्धर्मपरित्राणपरिबद्धपरिकराणाम्
ब्रह्मलीनश्रीमद्ब्रह्मानन्दसरस्वतीस्वामिवरप्राप्तदीक्षोत्तराधिकारक्रमानुगतोत्तराम्नायज्योतिष्पीठ-
ब्रह्मलीनस्वामिश्रीमदभिनवसच्चिदानन्दतीर्थपादाब्जपूतद्वारकापश्चिमाम्नायशारदापीठेतिप्रतिष्ठानद्वयदेदीप्यमान
स्वाधिपत्यमहीयमानमहामहनीयमहत्वातिशयशालिस्वरूपाणाम्
अनन्तश्रीविभूषितपरमपूज्यजगद्गुरुशङ्कराचार्य

स्वामिश्रीस्वरूपानन्दसरस्वतीयतिचक्रचूडामणीनामाशिषा

अखिलपण्डितमण्डलपुण्डरीकषण्डप्रकाण्डमार्तण्डपिण्डेभ्यः
सन्ततसन्तन्यमानमहामानवेदान्तोदन्तदान्तनितान्तशान्तस्वान्तेभ्यः

आचार्य-रामकिशोरत्रिपाठिमहोदयेभ्यः प्रदीयते

मार्गशीर्ष शुक्ल तृतीया २०६९ वैक्रमे, श्रीविद्यामठे, काश्याम् ।

स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानन्दः सरस्वती
न्यासप्रमुख

परमपूज्यानन्तश्रीविभूषित उत्तराम्नायज्योतिष्पीठाधीश्वर
पश्चिमाम्नायद्वारकाशारदापीठाधीश्वरजगद्गुरुशङ्कराचार्य
श्रीस्वरूपानन्दसरस्वतीमहाराजाः

अविनाशचन्द्र पन्तोंया
सचिव

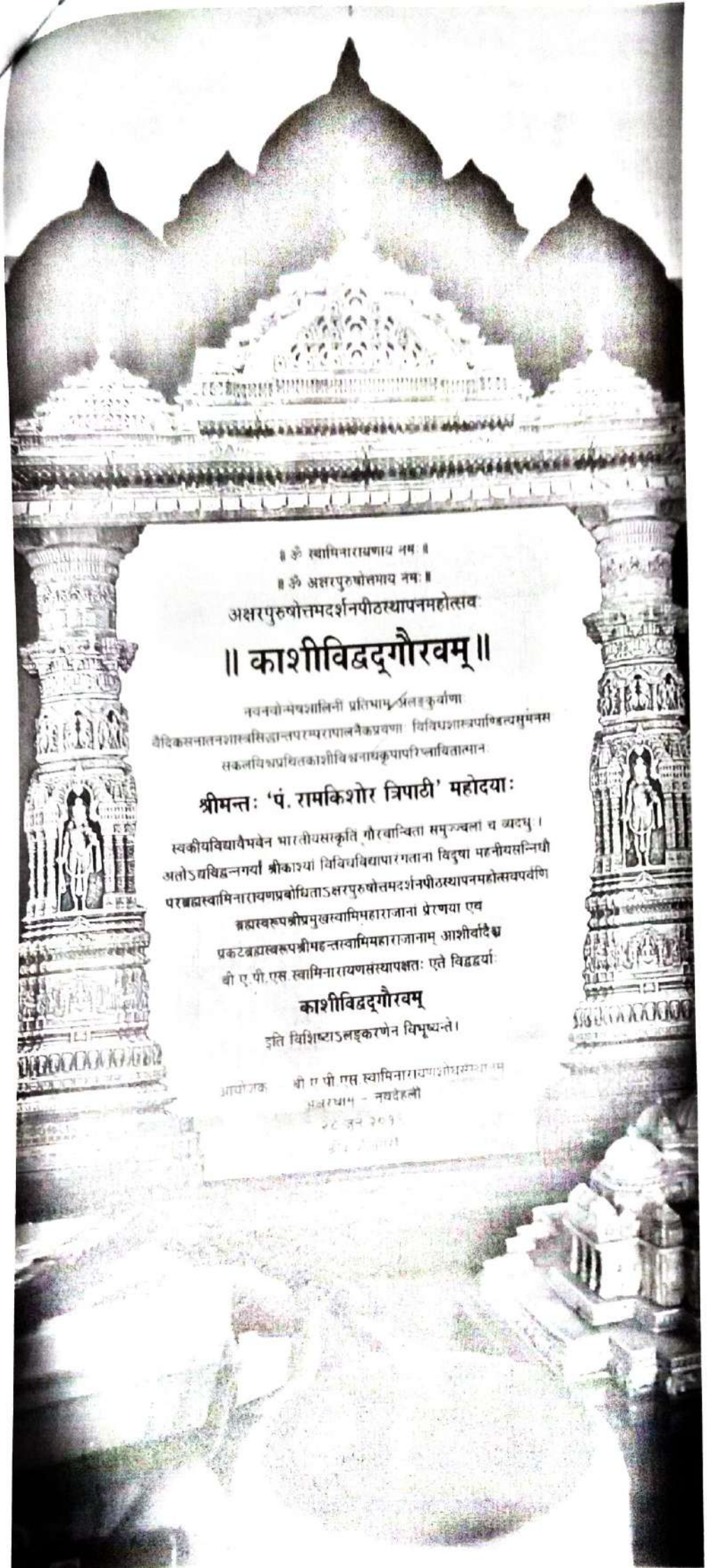

॥ ॐ स्वामिनारायणाय नमः ॥

॥ ॐ अक्षरपुरुषोत्तमाय नमः ॥

अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनपीठस्थापनमहोत्सव

॥ काशीविद्वद्गौरवम् ॥

नवनवोन्मेषशालिनीं प्रतिभामलङ्कुर्वाणा

वैदिकसनातनशास्त्रसिद्धान्तपरम्परापालनैकप्रवणा विविधशास्त्रपाण्डित्यसुमण्डिता

सकलविश्वप्रथितकाशीविश्वनाथकृपापरिप्लावितात्मान

श्रीमन्तः 'पं. रामकिशोर त्रिपाठी' महोदयाः

स्वकीयविद्यावैभवेन भारतीयसंस्कृति गौरवान्विता समुज्ज्वलां च व्यदधुः ।

अतोऽद्यविद्वन्नगर्यां श्रीकाश्यां विविधविद्यापारंगताना विदुषा महनीयसन्निधौ

परब्रह्मस्वामिनारायणप्रबोधिताऽक्षरपुरुषोत्तमदर्शनपीठस्थापनमहोत्सवपर्वणि

ब्रह्मस्वरूपश्रीप्रमुखस्वामिमहाराजाना प्रेरणया एव

प्रकटब्रह्मस्वरूपश्रीमहन्तस्वामिमहाराजानाम् आशीर्वादैश्च

बी.ए.पी.एस स्वामिनारायणसंस्थापक्षतः एते विद्वद्वर्या

काशीविद्वद्गौरवम्

इति विशिष्टाऽलङ्करणेन विभूष्यन्ते।

आयोजक बी.ए.पी.एस स्वामिनारायण संस्था

अक्षरधाम - नयदेहली

२८ जून २०१

उत्तर-प्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्, लखनऊ

नामित-पुरस्कारः

महाविद्याविडम्बनम् इत्याख्या कृतिः

अधिकारिभिर्द्विः पुरस्कारयोग्या

घोषिता इति तल्लेखकं

प्रो० राम किशोर त्रिपाठि इति विद्वांसं 2011 वर्षस्य

पञ्चविंशतिसहस्ररूप्यकाणां शंकर-

पुरस्कारेण सहर्षं समाजयतः

कार्यकारी अध्यक्षः

निदेशकः

अखिलभारतीय – विद्वत्परिषद्

विद्वद्भूषणसम्मानपत्रम्

संवत्सरः २०६

अत्र भवान्/अत्र भवती राम केशोर त्रिपाठी महोदयः/
महोदया स्व-मेधा-परिश्रम-गभीरशोधकर्मभिर्विद्यायाः
सुप्रसिद्धे वेदांत दर्शन क्षेत्रे महनीयं विद्वत्कर्म
सम्पाद्य विश्वराष्ट्रभालं भव्यं श्रीभारतवर्षं
समुज्ज्वलं व्यधात्।
अत एव अखिलभारतीय-विद्वत्परिषद्
एतदीयमप्रतिमं वैदुष्यं व्यक्तित्वं
सारस्वतं कर्म च समाकलय्य एनम्/एनाम्
विद्वद्भूषणसम्मानेन समलङ्करोति।

सचिवः | अध्यक्षः

क्रमाङ्कः : 13
तिथिः १८ नवम्बर २०१२

स्थानम् - वाराणसी
युगाब्दः ५११४

सरयूपारीण ब्राह्मण परिषद्, वाराणसी

बी० 34/118 ए-8, बी-1, मानस नगर कालोनी
दुर्गाकुण्ड, वाराणसी-221005 मो० : 9415989992

श्रौत-स्मार्तकर्मानुष्ठाननिरतं विद्याविनयसम्पन्नं सदोदारहृदयं
शान्तोदान्तं सहिष्णु सर्वभूतहितेरतं द्विजवरवरिष्ठं पण्डितप्रवरं

प्रो० राम किशोर त्रिपाठी महोदयं

महर्षि वेदव्यासीयगुरुपूर्णिमापर्वोपलक्ष्य समायोजिते विद्वत्सपर्यासमारोहे
सानन्दं साभिनन्दनं समर्चनं विधाय काशिकेयं सरयूपारीण ब्राह्मण
परिषदियं स्वात्मानं कृतकृत्यं मनुते ।

दिनांक 31-07-2016, रविवार

स्थानम् : श्रृङ्गेरी शङ्कराचार्य मठः महमूरगंज, वाराणसी

द्विवेदी	सतीश चन्द्र	पारसनाथ उपाध्याय	नरेन्द्र राम त्रिपाठी	डा० गिरीश
संरक्षक	संरक्षक	अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष

अखिलभारतीय-विद्वत्परिषद्

व्यासपुरस्कारः

संवत्सरः २०७३

अत्रभवान् राम किशोर त्रिपाठी महोदयः
वेदान्तदर्शनक्षेत्रे महनीयं विद्वत्कार्यं
सम्याद्य विश्वराष्ट्रभालं भव्यं श्रीभारतवर्षं
समुज्ज्वलं व्यधात्।
अत इयम् अखिलभारतीयविद्वत्परिषद्
व्याससूत्रेन्दुशेखरः
इति तत्सारस्वतनिर्मितिं
विमृश्य पञ्चसहस्ररुप्यात्मकेन
व्यासपुरस्कारेण
विद्वांसमेनं सम्मानयति।

सचिवः

अध्यक्षः

स्थानम् - वाराणसी

तिथिः २३ अक्टूबर २०१६

युगाब्दः ५११८

अखिलभारतीय – विद्वत्परिषद्

महाशक्तिपुरस्कारः

संवत्सरः २०७१

अत्रभवान् रामकिशोर त्रिपाठी महोदयः
दर्शनशास्त्रक्षेत्रे महनीयं विद्वत्कार्यं
सम्पाद्य विश्वराष्ट्रभालं भव्यं श्रीभारतवर्षं
समुज्ज्वलं व्यधात्।
अत इयम् अखिलभारतीयविद्वत्परिषद्
महाविद्याविडम्बनम्
इति तत्सारस्वतनिर्मितिं
विमृश्य पञ्चसहस्ररुप्यात्मकेन
महाशक्तिपुरस्कारेण
विद्वांसमेनं सम्मानयति।

सचिवः
ओकेश्वर उपाध्यायः

अध्यक्षः

स्थानम् - वाराणसी
युगाब्दः ५११६

तिथिः १८ नवम्बर, २०१४

श्रीमज्जगद्गुरुविश्वाराध्यज्ञानसिंहासनमहापीठम्

जङ्गमवाडीमठसंस्थानम्, वाराणसी.

श्रीकोडिमठसंस्कृतसाहित्यपुरस्कारः

स्वस्तिश्रीमदशेषविद्यावदातोत्तरप्रदेशीयबादामण्डनमण्डनायमानयशोवितानानां
प्राचीनगुरुपरम्परामनुसृत्याहर्निशस्वाध्यायाध्यापनसमाराधितसुरभारतीसम्पूजकानां-
व्याकरणशास्त्रनिष्णाताणां-न्यायवेदान्तादिषड्दर्शनरहस्योद्घाटनपटूनां-
लब्धनैकपुरस्काराणां-प्रवचनकलाकलितान्तःस्वान्तानां-विविधविद्याविद्योतितानां-
वाराणसेयशास्त्रार्थपरम्परापोषकानां-व्याससूत्रेन्दुशेखर-उपदेशसाहस्री-महाविद्याविडम्बन
मादिग्रन्थलेखनव्याख्यानादिनोपार्जितयशसां-सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयीय
वेदान्तविभागाध्यक्षाणामाचार्यचरणानां

पं० रामकिशोरत्रिपाठिमहोदयानाम्

विलक्षणवैदुषीमनुलक्ष्य एनान्

रुद्रसहस्त्रमुद्रात्मकेन

श्रीकोडिमठसंस्कृतसाहित्यपुरस्कारेण

ससम्मानं सभाजयति-

पीठाधीश्वरः

श्रीमज्जगद्गुरुविश्वाराध्यज्ञानसिंहासनमहापीठम्

जङ्गमवाडीमठ, वाराणसी।
फाल्गुन-कृष्ण-द्वादशी, सं. २०७३
गुरुवासर, २३ फरवरी २०१७